पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

पाल कोलखंडा

गाँव - पाल कोलखंडा

पंचायत - पाल कोलखंडा

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

गाँव का इतिहास

गाँववासियों के अनुसार यहाँ के लोग कोलखंडा खास से आये थे । सबसे पहले बारी फला में 2 भाई जोइता जी और धुला जी आये, इन दोनों को 12 लड़के हुए, उन्ही के वंशज आज गाँव के 150 परिवार है । गाँव करीब 250 साल पुराना है । यहाँ एक बहुत बड़ा पहाड़ है जिसे कोलबार पहाड़ कहा जाता है । इस पहाड़ के बारे में यह मान्यता है कि यहाँ पर जो भी व्यक्ति पत्थर या पेड़ की चोरी करता है वह अपनी आँखों की देखने की क्षमता खो देता है । इस पहाड़ में कई गुफाए और जंगली जानवर है ।

पाल कोलखंडा गाँव का परिचय

पाल कोलखंडा पंचायत में केवल एक ही गाँव है - पाल कोलखंडा । यह गाँव पाल कोलखंडा ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है। जो कि जिला कलेक्टरी डूंगरपुर से 35 किलोमीटर दूर बसा हुआ है। पाल कोलखंडा गाँव की सीमा से कुबेरा, कोलखंडा खास, जोगीवाडा गाँव लगते है । पाल कोलखंडा में 09 फले है ।

पाल कोलखंडा गाँव में ही पंचायत भवन है, जो कि कोलखंडा खास और पाल कोलखंडा की सीमा पर स्थित है। पाल कोलखंडा बारी फला में शिलालेख 30/10/2017 को हुआ और गाँव सभा का गठन कुछ दिन के बाद कर दिया गया । बारी फला में 177 घर है जिनकी आबादी 1000 से अधिक है । बारी फला में 174 घर एस.टी. जाति की उपजाति परमार, भगोरा, पारगी, अहारी के, 2 घर वैष्णव समाज ओबीसी जाति एक लोहार समाज का घर है । बारी फला गाँव में 60 प्रतिशत आबादी कों पेसा कानून और उसकी शक्तियों की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को शिलालेख वाले स्थान या प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में गाँव सभा की बैठक की जाती है ।

गाँव की पूरी जमीन 903 हेक्ट. है जिसमें कृषि योग्य जमीन 471 बीघा है तथा बेनामी जमीन 207 बीघा है तथा चरागाह की जमीनऔर जंगल नहीं है। प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों के नाम पर गाँव में 1 तालाब, 1 सार्वजनिक कुआँ, पहाड़, 207 बीघा बिलानाम जमीन, 21 कुआँ, 23 हैंडपंप, 1 प्राथमिक स्कूल, 1 आंगनवाडी, 1 एनिकट, 1 चौराहा, 1 शमशान घाट, 11 बिजली की डीपी और 4 मंदिर है ।

यातायात और आवागमन

गाँव में एक पक्की सड़क है जो की पालमांडव से होते हुए पाल कोलखंडा के बीच में गुजरती हुई सुरेला गाँव की ओर निकल जाती है, लेकिन यह कुछ जगह से अधूरी है । जिस कारण बाकी की पक्की रोड भी टूट गयी है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर सी.सी. सड़क और कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से सरकारी और प्राइवेट बस,ऑटो,जीप तथा निजी वाहन दुसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयाग करते है या फिर पैदल जाया जाता है।

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में एक प्राथमिक विद्यालय है। जहाँ 65 बच्चे है और शिक्षक मात्र 2 है । प्राथमिक स्कूल में छत और फर्श की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि दोनों की हालत ख़राब है जिस कारण न तो बच्चे ढंग से पढाई कर पाते है न ही कक्ष में बैठ पाते है । स्कूल में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे डूंगरपुर में किराये पर कमरा लेकर रह रहे है ।

गाँव में कोई उपस्वास्थ्य केन्द्र नही है और यह कोलखंडा खास में है जो गाँव से 3 किमी दूर है वहाँ दवाइयाँ भी मिल जाती है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 10 किमी दूर पुनाली में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 35 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल कोलखंडा खास 3 किमी दूर है ।

सरकारी योजनाएँ

गाँव में सरकारी सुविधायें जैसे बिजली, शिक्षा, मनरेगा, आंगनवाडी, सरकारी आवास योजना, पेंशन इत्यादि उपलब्ध है। गाँव के अधिकतर घरों में बिजली है। गाँव में आवास योजना से लाभान्वित परिवारों की संख्या 108 है जिसमे 29 इंदिरा आवास, 9 प्रधानमंत्री आवास और 80 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 60 वर्ष से अधिक उम्र के करीब 80 वृद्धजन है । कुल 67 लोगो को पेंशन मिलती है । वृद्धापेंशन के लिए 40 महिलाओं तथा 21 पुरूषों और 2 महिलाओं को विधवा पेंशन और 04 महिलाओं को एकलनारी पेंशन मिलती है। गाँव में अभी श्रमिक कार्ड नहीं बने है ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कुल 903 हेक्ट जमीन में से कृषि योग्य जमीन 471 बीघा है, जिसमें खरीफ की मुख्य फसल - मक्का, उडद, मुंग, चना की खेती की जाती है और जिनके पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वे किसान गेहूँ और गन्ना भी उगाते है । लेकिन चार या पांच माह खाने भर का अनाज होता है उसके बाद सरकारी राशन की दुकान या बनिये से खरीदना पड़ता है। रोजगार के नाम पर मनरेगा और कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है,जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। पाल कोलखंडा बारी फला से 23 लोग अलग अलग सरकारी विभागों (अध्यापक, वार्डन, पशु चिकित्सक, कम्पाउन्डर, आंगनवाडी कार्यकर्ता, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) में कर्मचारी है ।

सिंचाई की व्यवस्था एवं स्थिति

सिंचाई के लिए तालाब, कुआँ, बोरवेल की सुविधा है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है । तालाब छोटा है जिससे पानी कम भरता है और गहरा भी नहीं है इसके आसपास में काफी कटीली झाड़ियाँ है ।

पशुपालन

कोलखंडा बारी फला में लोग गाय, बैल, बकरी, मुर्गीपालन, और भैस पालते है जिनसे उनके दूध और खाने के लिए मांस की जरुरत पूरी हो जाती है । इसके अलावा ये बकरे को डूंगरपुर में लाकर बेचते भी है जिससे भी आय हो जाती है । पशुओं के लिए चारा पानी की कमी से इतना नही हो पाता है जिससे पूरे वर्ष जानवरों को चारा खिलाने का काम चल सके, मार्च के बाद चारे और भूसे का ट्रक खरीदना पड़ता है जो 15000 से 18000 रुपए कीमत में पड़ जाता है जिसे 4-5 लोग मिल कर खरीदते है ।

बाज़ार

खरीदारी के लिए बड़ा बाजार पुनाली 10 किमी दूर है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 35 किमी दूर आना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है। डूंगरपुर आने के के लिए मुख्य सड़क से बस या जीप मिल जाती है।

गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गाँव में जंगल बहुत कम है जो नहीं के बराबर है । गाँव की बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा है । इस पर अभी सामूहिक दावा प्रस्तुत नहीं किया गया है । गाँव में बड़े पहाड़ है, जिस पर गाँव का कब्ज़ा है लेकिन इनमे किसी भी प्रकार के खनिज की जानकारी नहीं है ।

आवागमन की समस्या

गाँव की सीमा पर मुख्य सड़क पक्की सड़क है लेकिन गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर सी.सी. सड़क और कच्ची सड़क ही है। गाँव में केवल 4 सड़क सी.सी. है लेकिन वह भी काफी ज्यादा टूट गयी है। खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में ज्यादातर लोगों के पास अपनी कब्जे की जमीन के पट्टे नहीं है । और जिनके पास है वो भी न्यूनतम दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है। ज्यादातर खेत उबड़-खाबड़ है जिन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है और असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश के पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । गाँव में 1 छोटा तालाब है लेकिन गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। बारिश के पानी को रोकने के लिये 1 एनीकट है, ये गर्मीयों के मौसम में सूख जाते है । गाँव में पानी का स्तर 250 फुट से नीचे है। गाँव में 21 कुएं है, जिनमें साल के मई, जून माह तक पानी खत्म हो जाता है। गाँव में 23 हैण्डपम्प है। सभी हैण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल फिलहाल

गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। गाँव में चरागाह की जमीन नाममात्र की है। खेती की जमीन 471 बीघा है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरिद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपयेमें खरिदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 18000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है।

गाँव में दूध और कृषि के उपयोग में लेने के लिए उन्नत किस्म के पशु नहीं है । चारे के अभाव में दुधारू पशु भी ज्यादा दूध नहीं देते है केवल घरभर का काम निकल जाता है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 177 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए केवल एक प्राथमिक विद्यालय है, स्कूल में अभी 65 बच्चे पढ़ते है लेकिन शिक्षक सिर्फ 2 है । प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, जिसके लिए वे प्रार्थना पत्र दे चुके है । उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे यही पर किराये का कमरा लेकर रहते है । गाँव के सरकारी स्कूल के शौचालय में बारिश का पानी टपकता है। गाँव की 1 आंगनवाड़ी जो बारी फले में है उसमें लोग अपने बच्चों को कम भेजते है क्योंकि छत खराब हो चुकी है जिससे बारिश का पानी अन्दर टपकता है। गाँव में कोई उपस्वास्थ्य केन्द्र नही है और यह कोलखंडा खास 3 किमी दूर है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 10 किमी दूर पुनाली में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 35 किमी दूर डूंगरपुर में है। पशुओ के इलाज के लिए पशु अस्पताल कोलखंडा खास 3 किमी दूर है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

कोलखंडा पाल बारी फला में मुख्य फसल बारिश के मौसम में उगायी जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। हालाँकि वहाँ पर 1 तालाब, 21 कुऐ, बोरवेल है, चूँकि गर्मी में जल स्तर नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है इस कारण ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 300 फुट नीचे चला गया है। यदि अभी वर्तमान में जमीनी जलस्तर 300 फुट गहराई में चला गया है और ग्रीष्म ऋतु में पानी ख़त्म हो जाता है तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही गाँव में खेती और पीने के पानी के लिए बड़ा संकट उत्पन्न हो जायेगा । वर्तमान में जो पानी को ना सहेजने

की प्रवृति है वो बनी रही तो भविष्य में गाँव खाली करने या दूसरी जगह पर विस्थापित होने की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है ।

गाँव में गेहूँ, ग्वार, मक्का, उडद, तुहर, चने, चावल, सोयाबीन की खेती की जाती है, जो कि केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दुकान भी नहीं है यह पास के गाँव कोलखंडा खास 3 किमी दूर है । राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन या तो खेती है अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है।

अन्य

1 श्मशान घाट है लेकिन टीन, छाया, पानी, रोड की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है । उपस्वास्थ्य केंद्र नही है न ही राशन की दुकान है । गाँव में योजना के तहत बने शौचालय आधे-अधूरे है पानी की कमी के चलते उपयोग नहीं हो पा रहा है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 1 बरसाती नाला है। जो बारिश के मौसम में चालू रहता है लेकिन बारिश के मौसम के एक माह बाद ही सूख जाता है । 1 एनीकट बना हुआ है जो अच्छी हालत में नहीं है । उनमे से पानी रिस कर निकल जाता है । गाँव में 21 कुएं और 23 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में 1 तालाब है जिसका पानी पशुओ के काम आता है । लेकिन गर्मी समाप्त होने से पहले ही सभी में पानी	गाँव वासियों के अनुसार यदि तालाब को गहरा करवा कर रिंगवाल बने और आसपास की कटीली झाडियों की सफाई की जाये तो ज्यादा समय तक पानी रह सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । नाला कुछ जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है उसे पक्का बनाने से जमीन का कटाव नहीं होगा । जर्जर एनिकट को अच्छा किया जाये ताकि पानी को रोका जा सके । नाले के रास्ते पर छोटे छोटे चेकडेम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का तो जलस्तर ऊंचा होगा ही

	सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है।	तालाब में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा। और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। फ्लोराइड मुक्त पानी के लिए आर.ओ. प्लांट लगना चाहिए ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह	गाँव में जमीन समतल नहीं है, अधिकतर छोटी पहाडी, उबड़-खाबड़ और पथरीली ढलान वाली जमीन है। गाँव में बिलानाम जमीनपर सरकार का कब्ज़ा है । गाँव में चारागाह न के बराबर है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें असिंचित है। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है।	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की बेकार पड़ी जमीन को उन्नत कृषि तकनीकी के माध्यम से उपजाऊ बनाया जा सकता है । जिस पर किसी प्रकार की खेती या उपज नहीं होती है, को गाँवसभा के अधीन करके खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में केवल मुख्य पक्की सड़क ही अच्छी हालत में है क्योंकि उस पर से दूसरे गाँव और ब्लॉक में जाया जा सकता है । इसके अलावा कुछ सड़कों को अधूरा छोड़ दिया गया है जिस कारण धूल उडती है और सड़क किनारे रहने वाले लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ।	गाँव की अधूरी सड़क को सही किया जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चोड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही पक्की सड़कों के किनारों पर रोड लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए ।
स्कूल	गाँव में एक प्राथमिक स्कूल है। प्राइमरी स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और फर्श भी टूट रही है। खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है । केवल 2 अध्यापक है वे भी समय पर नहीं आते है । शिक्षा की स्थिति काफी ख़राब दर्जे की है ।	प्राइमरी स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। फर्श, शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । अध्यापक नियुक्ति के लिए शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखना और दोनों अध्यापकों को समय अपर आने के लिए

		पाबंद करना यह कार्य गाँव सभा के माध्यम से करना है ।
चौराहा	गाँव में 2 चौराहे है जो टूटे है।	इसकी मरम्मत करवा कर अच्छा करना है।
बस स्टैंड	गाँव 1 बस स्टैंड है पर ना तो भवन है ना ही पानी और शौचालय की व्यवस्था है ।	भवन, पानी की टंकी और शौचालय निर्माण करवाना है।
शमशान घाट	1 श्मशान घाट है लेकिन टीन, छाया, पानी, रोड की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है ।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और एक बैठक के लिए भवन बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	**समस्याएं**	**सार्वजनिक/ व्यक्तिगत**	**कारण**	**समाधान**	**तात्कालिक/ दीर्घकालिक**	**वरीयता**
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 1 प्राथमिक स्कूल है, 65 छात्रों पर 2 अध्यापक आते है । वो अध्यापक भी समय पर नहीं आते है । प्राइमरी स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है साथ ही फर्श भी टूट रही है । स्कूल का खेल मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है ।	गाँव में एक और प्राथमिक स्कूल की व्यवस्था की जाये और सभी व्यवस्थाये पूरी और अच्छी दी जाये । सभी विषयों के अध्यापकों की नियुक्ति हो और समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	तात्कालिक	
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँवमें 21 कुएं और 23 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे	जो हैंडपंप और कुएं बंद हो गये है या जिनमे	**दीर्घकालिक**	

			है या पानी नहीं आता है, गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 300 फिट से नीचे चला गया है।	पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में एनिकट और चेकडैम निर्माण करना और गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।		
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए 1 बरसाती नाला जिसका पानी गाँव में रोकने के लिए 1 जर्जर एनिकट और 1 छोटा तालाब है लेकिन गर्मी के मौसम में पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण करवाना । बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण करना । घर और खेतों में पानी को	**तात्कालिक**	

				रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।		
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की सड़कों का काम अधूरा है और तेज बारिश होने के कारण काफी ख़राब हो गयी है जिसके कारण हादसों की संभावना बनी रहती है । अंदरूनी रास्ते भी कच्चे है ।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटे हुए रास्तों को फिर से ठीक करना और कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना ।	**तात्कालिक**	
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या और शौचालय का न बनाना ।**	**व्यक्तिगत**	गाँव में अभी भी कुछ परिवार वालों को आवास योजना का लाभ नहीं मिला है । इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास गरीबी के कारण नहीं बने हैं पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**	

			में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है। और समय पर जीवित प्रमाणपत्र ना प्रस्तुत करना भी एक कारण है ।			
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना और बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा होना ।**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है। पिछले कुछ सालो से इसे सरकार के द्वारा बंद कर दिया गया है । जिसके कारण भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबीज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**	
7	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	सरकारी राशन की दूकान दूसरे गाँव में है लेकिन वहां और भी दूसरे गाँव से	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन	**तात्कालिक**	

			लोग आते है और अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है, शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है ।	दिलवान और जिन लोगों कों राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना ।		

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths **शक्तियां**	**W- Weakness** **कमजोरी**	**O- Opportunities** **अवसर**	**T- Threats** **चुनौतियां**
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	पक्की सड़क केवल गाँव में जाने के लिए, कच्चे रास्ते को आर.सी.सी. नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क को सही नहीं करवाना।	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ जा सकते हैं लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी और बीमारी की हालत में मरीज को जल्दी चिकित्सकिय सुविधा मिल सकती है ।	इस समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना, साथ ही वे इसको सरकार पर छोड़ रहे है ।
जल नाला तालाब एनिकट कुआं बोरवेल	गाँव में 1 बरसाती नाला है जिसपर 1 एनिकट भी बने है लेकिन एनिकट कमजोर है । गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है ।	कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, पानी को रोकने के लिए पक्की टंकी का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने के लिए कोई पहल नहीं करना और योजना होते हुए भी ना क्रियान्वित करना । गाँव के लोगों

हैंड पंप	जल संरक्षण के लिए गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना । कुओं की बजाय बोरवेल पर निर्भरता बढ़ जाना ।	रोका जाए जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से निचे न जाये । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।	की उदासीनता।
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। कृषि भूमि और उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल के पशुओं का सरकार के द्वारा उपलब्ध करवाना । लघु उद्योग, सब्जी की खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती कीजमीन का अभाव। उन्नतशील बीज और बेहतर किस्म के पशुओ का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	सभी लोगों के पास कब्जे की जमीन के पट्टे ना होना । खेती की पर्याप्तजमीन नहीं होना।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना।गाँवकी सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव का नजरिया नक्शा-**

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	23
विधवा पेंशन	4
एकलनारी पेंशन	1
विकलांग पेंशन	8
पालनहार	18
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	38
शौचालय निर्माण	12
स्कूल के सम्बंध में	
3 अध्यापकों की नियुक्ति	
कमरों का निर्माण	3
शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था	1 आर. ओ.
शौचालय में पानी की व्यवस्था	टंकी

परकोटा निर्माण	
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> पशुवाडा निर्माण, खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल, कुआं गहरीकरण मरम्मत	50
शमशान घाट निर्माण	1
सार्वजानिक कुआँ निर्माण	1
सामुदायिक भवन निर्माण के संबंध में	1
उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण	1
नाल फला में आंगनवाडी निर्माण	1
राशन की दुकान खोलने के सम्बन्ध में	1
तालाब गहरीकरण और रिन्ग्वाल	1
हैंडपंप के सम्बन्ध में नए हैंडपंप पुराने हैंडपंप	 5 15
चेकडैम निर्माण	32
एनिकट निर्माण और मरम्मत	2
वृक्षारोपण के सम्बन्ध में	7
गाँव के पहाड़ पर सामुदायिक दावा करना	
काबिज भूमि पर व्यक्तिगत कब्जे की फाइल लगाना	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

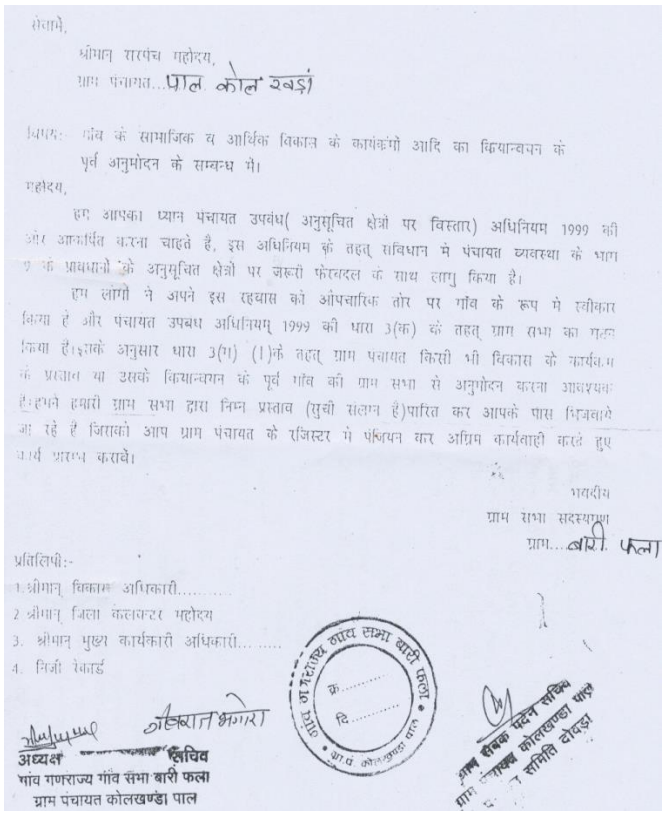

सेवामें,

श्रीमान सरपंच महोदय,

ग्राम पंचायत...पाल कोल खड़ा

विषय:- गांव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गाँव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय

ग्राम सभा सदस्यगण

ग्राम...बारी. फला

प्रतिलिपी:-

1.श्रीमान् विकास अधिकारी..........
2 श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........
4. निजी रेकार्ड

अध्यक्ष सचिव

गांव गणराज्य गांव सभा बारी फला

ग्राम पंचायत कोलखण्डा पाल

गांव गणराज्य गांव सभा बारी फला

ग्राम सेवक पदेन सचिव ग्राम पंचायत कोलखण्डा पाल पंचायत समिति दोवड़ा

पेसा कानून 1999 राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 27/6/2018 को गाँव सभा कोलखण्डा पाल फला बारी की गाव सभा बैठक रा० प्रा० वि० बारी फला में आयोजित की गयी। गाँव सभा में मौजूद गाँव वासियों ने कलावती परमार को अध्यक्ष चुना। जिसकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गयी। गाँव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और उनका अनुमोदन किया गया —

एजेण्डा ⇒

पेशन के सम्बंध में (अ) वृद्धा पेशन (ब) विधवा पेशन (स) एकलनारी (द) विकलांग

पालनहार योजना के सम्बंध में

PM/CM आवास के सम्बंध में

शौचालय के सम्बंध में

स्कूल के सम्बंध में (i) अध्यापकों कि नियुक्ति (ii) कमरों का निर्माण (iii) पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था (iv) शौचालय में पानी की व्यवस्था.

उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने के सम्बन्ध में

आंगनबाड़ी के सम्बन्ध में
(i) नल मोहल्ले में नई आंगनवाड़ी खोलने के सम्बंध में
(ii) पोषाहार समय पर और गुणवतापूर्ण मिले

राशन की दुकान खोलने सम्बन्ध में

सामुदायिक भवन निर्माण शिलालेख पर

रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में

तलाब को गहरीकरण और पाल कि ऊचाई बढ़ाना

पुराने हैंडपम्प की मरम्मत और नए हैंडपम्प लगाना

चैकडेम निर्माण / मरम्मत सम्बंध में

एनिकट निर्माण / मरम्मत सम्बन्ध में

(i) खेत समतलीकरण / मेड़बंदी
(ii) कुआं गहरीकरण / निर्माण
(iii) पशु बाड़ा निर्माण

वृक्षारोपण के सम्बन्ध में

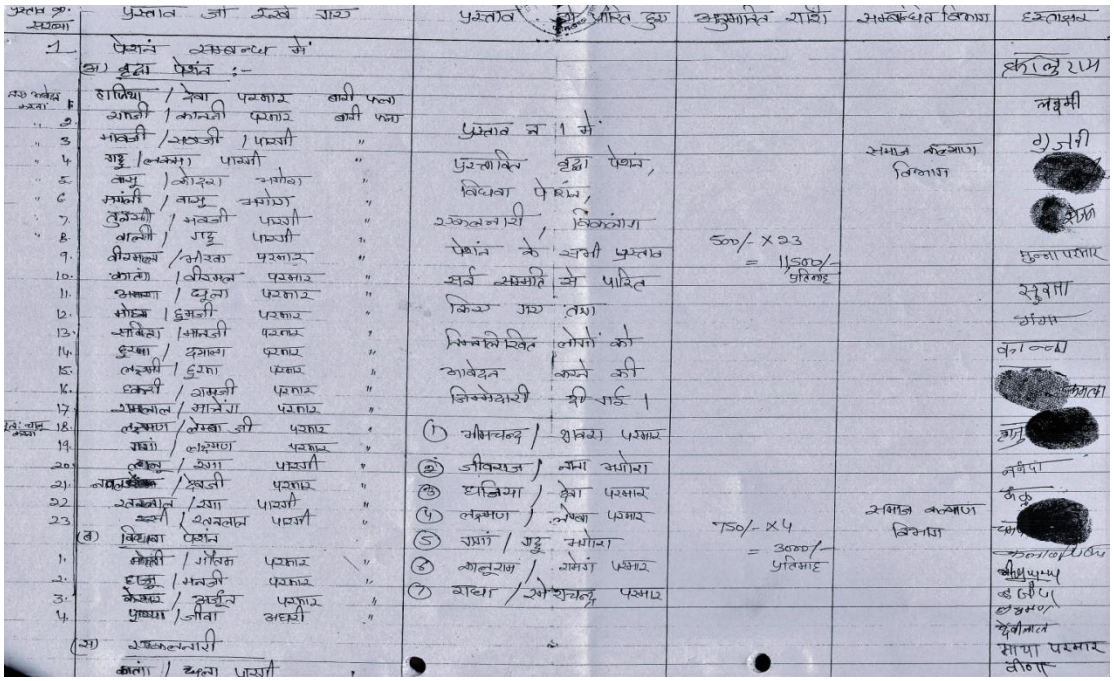

प्रस्ताव क्र. संख्या	प्रस्ताव जो रखे गए	प्रस्ताव जो पारित हुए	अनुमानित राशि	सम्बन्धित विभाग	हस्ताक्षर
1.	पेंशन सम्बन्ध में				
	(अ) वृद्धा पेंशन :-				कालूराम
स्व आवेदन संख्या 1.	हाजिया / देवा परमार बारी फला				लक्ष्मी
2.	अर्जुनी / कालजी परमार बारी फला	प्रस्ताव न 1 में			गुजरी
3.	भावजी / साखजी / पारगी "	प्रस्तावित वृद्धा पेंशन,		समाज कल्याण विभाग	
4.	गट्टू / लक्ष्मण पारगी "	विधवा पेंशन,			
5.	वासू / कोदरा भगोरा "	एकलनारी, विकलांग			
6.	रमली / वासू भगोरा "	पेंशन के सभी प्रस्ताव	500/- x 23 = 11,500/- प्रतिमाह		मुन्ना परमार
7.	तुलसी / भवजी पारगी "	सर्व सम्मति से पारित			
8.	वालजी / गट्टू पारगी "	किए गए तथा			
9.	वीरमल / भीरवा परमार "	निम्नलिखित लोगों को			
10.	कान्ता / वीरमल परमार "	आवेदन करने की			
11.	अमला / धूला परमार "	जिम्मेदारी दी गई।			
12.	मोहन / डुमजी परमार "	(1) भीमचन्द / शवरा परमार			
13.	साकिया / भान्जी परमार "	(2) जीवराज / नाना भगोरा			
14.	डुरखा / दयाल्या परमार "	(3) हाजिया / देवा परमार			
15.	लक्ष्मी / डुरखा परमार "	(4) लक्ष्मण / लेम्बा परमार		समाज कल्याण विभाग	
16.	दकली / रामजी परमार "	(5) रमली / गट्टू भगोरा	750/- x 4 = 3000/- प्रतिमाह		
17.	रमेशलाल / मानेंगा परमार "	(6) कालूराम / रामेंगा परमार			
स्व: चालू संख्या 18.	लक्ष्मण / लेम्बा जी परमार "	(7) राधा / सोमचन्द्र परमार			
19.	रामी / लक्ष्मण परमार "				
20.	लालू / रूपा पारगी "				
21.	नवलसिंह / धुवजी परमार "				
22.	रतनलाल / रूपा पारगी "				
23.	रूपी / रतनलाल पारगी "				

(ब) विधवा पेंशन
1. मोहनी / गौतम परमार "
2. हजू / मनजी परमार "
3. केसर / अर्जुन परमार "
4. पुष्पा / जीवा अधारी "

(स) एकलनारी
कान्ता / रूपला पारगी

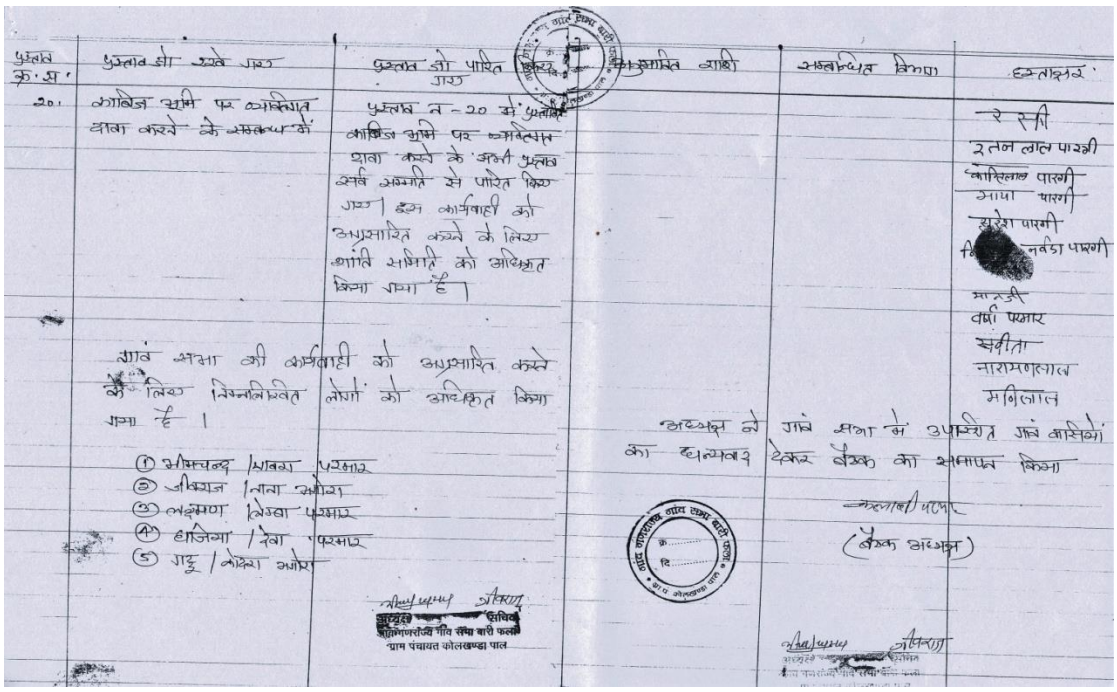

सुनीता, गंगा, वन्दना, कमला, भानु, नर्मदा, कंकु, [illegible], कलावती, [illegible], डुंगजी, लक्ष्मण, देवीलाल, माया परमार, वीणा

प्रस्ताव क्र. सं.	प्रस्ताव जो रखे गए	प्रस्ताव जो पारित किए गए	अनुमानित राशि	सम्बन्धित विभाग	हस्ताक्षर
20.	काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा करने के सम्बन्ध में	प्रस्ताव न - 20 में प्रस्तावित काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा करने के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किए गए। इस कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए शांति समिति को अधिकृत किया गया है।			रेखा

रतन लाल पारगी, कान्तिलाल पारगी, माया पारगी, सुरेश पारगी, नर्मदा पारगी, मानजी, वर्षा परमार, सवीता, नारायणलाल, मनिलाल

ग्राम सभा की कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए निम्नलिखित लोगों को अधिकृत किया गया है।

1. भीमचन्द / शवरा परमार
2. जीवराज / नाना भगोरा
3. लक्ष्मण / लेम्बा परमार
4. हाजिया / देवा परमार
5. गट्टू / कोदरा भगोरा

अध्यक्ष ने गांव सभा में उपस्थित गांव वासियों का धन्यवाद देकर बैठक को समापन किया

कालूराम परमार
(बैठक अध्यक्ष)

अध्यक्ष / सचिव
वनाधिकार गांव सभा बारी फला
ग्राम पंचायत कोलखण्डा पाल

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	रणछोड़ जी	9636211960
2.	भीमचन्द जी	8003637907
3.	कल्पना/कांतिलाल	7742378892
4.	माया / मणिलाल	9784376611